दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू
सत्र 2019–20
अभ्यास कार्य पत्र

कक्षा : सातवीं | विषय : हिन्दी

सामान्य निर्देश :–

- इस पत्र में चार खंड हैं – क, ख , ग, घ
- एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 20–30 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।
- पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

(खंड–क)

प्र01. दिए गए अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 2+2+2+2+1+1=10

ऊन विविध रंगों में पाई जाती है जबकि जंतुओं से प्राप्त होने वाली ऊन काली, भूरी और सफेद होती हैं यह तो आप समझ ही गए होंगे कि ऊन के विविध रंग उनकी रंगाई के बाद ही संभव हो पाते हैं। इन विविध रंगों की ऊन से विविध प्रकार के स्वेटर, शाल और अन्य ऊनी वस्त्र तैयार किए जाते हैं।

सूती वस्त्रों के लिए कपास की खेती की जाती है। कपास को एकत्र कर उसकी छँटाई एवं कताई की जाती है। कताई के बाद धागों का निर्माण और फिर धागों से वस्त्र निर्माण होता है। बडी–बडी मशीनों में थान–के–थान एक साथ तैयार हो जाते हैं। इसी प्रकार रेशमी वस्त्रों के लिए रेशम के कीटों का पालन किया जाता है। कीटों दवारा तैयार रेशम को एकत्र करके उनके रेशों का भी अभिमार्जन, कातन तथा रंगाई–पुताई के बाद वस्त्र निर्माण होता है। आजकल मशीनों दवारा कृत्रिम रेशम भी तैयार किया जाता है। यदयपि प्राकृतिक रेशों से तैयार वस्त्र की अपनी एक अलग ही पहचान होती है। किसी समय में ढाका की मखमल बहुत प्रसिदध होती थी। पूरा–का–पूरा थान एक अँगूठी के अंदर से निकाला जा सकता था। उसकी महीनता का प्रमाण इससे अधिक और क्या हो सकता है?

मनुष्य फैशन की दौड में आगे रहना चाहता है तो रहे परंतु उसे ऐसे वस्त्रों को नहीं पहनना चाहिए जो जीवों की मृत्यु का कारण रहे हों। कुछ ऐसे उत्पाद जो जानवरों को मारकर उनकी खाल से बनाए जाते हैं।

क) ऊन कितने रंगों में पाई जाती है? इनसे कौन–कौन से वस्त्र तैयार किए जाते हैं?
ख) कपास के धागों से वस्त्र निर्माण किस प्रकार किया जाता है?
ग) रेशमी वस्त्रों की निर्माण–विधि बताइए।
घ) ढाका की मखमल की महीनता का प्रमाण किस तरह दे सकते हैं?
ङ) मशीनों दवारा किस प्रकार का रेशम तैयार किया जाता है?
च) मनुष्य को किस प्रकार का वस्त्र नहीं पहनना चाहिए?

(खंड–ख)

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :– 8

क)	अ)	रक्षक	(विलोम शब्द लिखिए)
ख)	अ)	सर्ग–स्वर्ग	(भिन्न अर्थ लिखिए)
ग)	अ)	विधि	(एक–एक अर्थ लिखिए)
घ)	अ)	अति+आवश्यक	(संधि कीजिए)
ङ)	अ)	बच्चा ज़ोर–ज़ोर से रो रहा है।	(कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए)
च)	अ)	चिडिया दाना चुगकर उड गई।	(रचना के आधार क्रिया के भेद लिखिए)
छ)	अ)	प्रवीण चित्रकारी कर रहा है।	(उददेश्य व विधेय छाँटिए)
ज)	अ)	वर्षा होने पर फसलें खराब हो गई।	(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

प्र03. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 2

क) रचना के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए।
ख) स्वर–संधि की परिभाषा व उसके भेदों के नाम लिखिए।

प्र04. प्रश्नों के उत्तर दीजिए (कोई दो) :– 4

क) अकर्मक तथा सकर्मक क्रिया में अंतर स्पष्ट कीजिए।

ख) संधि तथा संधि–विच्छेद में अंतर–स्पष्ट कीजिए।

ग) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए।

(खंड–ग)

प्र05. किसी एक का आशय स्पष्ट कीजिए :– 2

क) ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

ख) जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँडति छोह।।

प्र06. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 6

क) 'ढाबा' संस्कृति के बारे में लेखक ने क्या कहा है?

ख) किसने कब कवि को ताने दिए?

ग) कंचों को देखकर जब अप्पू कल्पना में खो जाता है, तब क्या होता है?

घ) मनुष्य के शरीर की तुलना किससे की गई और क्यों?

प्र07. किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :– 5

क) क्या परोपकार की भावना जन–जीवन को प्रभावित करती है? हमें परोपकार की भावना प्रकृति के किन–किन रूपों में देखने को मिलती है?

ख) आज 'फास्ट–फूड' का चलन युवा वर्ग में क्यों बढ़ता जा रहा है? फास्ट–फूड से होने वाली हानियों से कैसे बच सकते हैं?

प्र08. किन्हीं दो शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :– 2

क) कर्मठ ख) ऐंठ ग) थोथे

प्र09. प्रश्न का उत्तर दीजिए :– 3

• दुर्योधन और अर्जुन श्रीकृष्ण के पास दवारका क्यों गए थे? अर्जुन ने श्रीकृष्ण से क्या माँगा?

(खंड–घ)

प्र010. किसी एक विषय पर पत्र लिखिए (शब्द सीमा 80–100 शब्द) : 5

क) अपने पिताजी को विज्ञान की अतिरिक्त पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखिए।

ख) अपने मित्र को काव्य–लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई–पत्र लिखिए।

प्र011. किसी एक विषय पर अनुच्छेद–लेखन कीजिए (शब्द सीमा 80–100 शब्द) :– 3

क) मीठी वाणी

सहायक बिंदु :–
- वाणी कैसी हो
- मीठी वाणी का महत्त्व
- मीठी वाणी से सफलता और सम्मान की प्राप्ति
- शत्रु भी मित्र बन जाएँ

ख) कर्तव्यपालन

सहायक बिंदु :–
- कर्तव्य का पालन आवश्यक
- देश के प्रति कर्तव्य
- कार्य के प्रति कर्तव्य
- कर्मशील व्यक्ति की पहचान